GLOBAL ALLIANCE FOR GREEN AND GENDER ACTION

जलवायु न्याय के लिए नारीवादी सक्रियतावाद को बढ़ावा देना

द ग्लोबल अलायन्स फॉर ग्रीन ऐंड जेन्डर एक्शन[1] (GAGGA) का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि सरकारें, निवेशक और दानदाता लोक–केन्द्रित जलवायु न्याय और वैश्विक दक्षिण क्षेत्र के महिला अधिकार आंदोलनों की सामूहिक मांगों को संबोधित करें। महिलाएं[2] विशेष रूप से ज़मीन हथियाने, वनों की कटाई और प्राकृतिक संसाधनों के दोहन के विरुद्ध अथक संघर्ष का नेतृत्व करती आई हैं और साथ ही ऐसे जेन्डर न्यायपूर्ण जलवायु समाधानों को सशक्त करने और बढ़ावा देने के प्रयास कर रही हैं जो सभी मनुष्यों और पृथ्वी की देखभाल सुनिश्चित करते हैं।

फोटोः बेन डेन एन्जेलसेन

वर्ष 2021 एक महत्वपूर्ण समय था जब निर्णयकर्ताओं को जलवायु विनाश से बचने के लिए आगे आकर त्वरित कार्यवाही करनी थी। संयुक्त राष्ट्र महासचिव ऐन्टोनियो गुटेरेस के शब्दों में, जलवायु वैज्ञानिकों द्वारा दिखाई गई तस्वीर को 'मानवता के लिए कोड रेड' समझा जाना चाहिए। सौभाग्य से, जलवायु न्याय आंदोलनों की मांगों को जलवायु चर्चाओं और वार्ताओं में केन्द्रीय स्थान दिया जा रहा है। वर्ष 2021 में, पर्यावरणीय और जलवायु संकट को संबोधित करने के लिए नारीवादी और अंतर्खंडीय नज़रियों को आगे लाने के लिए जगह बढ़ी है, विशेषकर अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर। सरकारी कार्यकर्ताओं, अंतर्सरकारी एजेंसियों, और वित्तपोषकों के बीच जलवायु संकट के बहु–स्तरीय पहलू और उसके दमन की ऐतिहासिक व्यवस्थाओं, जिनमें पूंजिवाद, पितृसत्ता, उपनिवेशवाद और नस्लवाद शामिल हैं, के साथ जुड़ावों की स्वीकार्यता बढ़ रही है। इसके उदाहरण हैं संयुक्त राष्ट्र का इक्वॉलिटी फोरम, जहां पर छः कार्यवाही गठबंधनों में से एक जलवायु न्याय के लिए नारीवादी कार्यवाही पर ज़ोर देता है; संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन कॉन्फ्रेन्स (कॉप 26), जहां कॉप 25 में पारित किए गए जेन्डर ऐक्शन प्लान को लागू करने के लिए गति पकड़ी गई; और 2022 का महिलाओं के स्तर पर संयुक्त राष्ट्र आयोग (सी.एस. डब्ल्यू66), जिसमें जलवायु परिवर्तन, पर्यावरणीय और आपदा जोखिम कम करने की नीतियों और कार्यक्रमों के संदर्भ में जेन्डर समानता पर ज़ोर दिया गया।

इस वर्ष में कुछ ठोस, संघर्षपूर्ण सफलताएं प्राप्त हुईं। संयुक्त राष्ट्र मानव अधिकार काउंसिल ने एक प्रस्ताव पारित किया जिसमें स्वस्थ और सतत पर्यावरण तक पहुंच को सार्वभौमिक अधिकार के रूप में मान्यता दी गई, जो पर्यावरणीय और जलवायु संकट को मानव अधिकार दृष्टिकोण के साथ संबोधित करने के रास्तों को सशक्त करेगा। सरकारों ने कॉप26 में कुछ प्रमुख प्रतिबद्धताएं व्यक्त कीं, जिनमें शामिल है कोयले के उपयोग को 'चरणबद्ध तरीके से कम' करना, मीथेन उत्सर्जन में कमी लाना और वर्ष 2030 तक वनों की कटाई पूरी तरह से बंद कर देना। बढ़ती संख्या में सार्वजनिक और निजि कार्यक्षेत्र के लोगों ने जीवाश्म ईंधन विनिवेश के लिए प्रतिबद्धता दी है, और नीदरलैंड के एक कोर्ट ने शैल कंपनी को आदेश दिया कि वह अपने कार्बन उत्सर्जन को कम करे – यह पहली बार है जब किसी कंपनी को उनकी नीतियां पेरिस समझौते के अनुरूप ढालने के लिए कानूनी स्तर पर बाध्य किया गया। पेरिस समझौते पर वर्ष 2015 में सहमति बनी थी, जिसका उद्देश्य है कि भूमण्डलीय वाष्पीकरण को 2 डिग्री सेल्सियस से कम कायम रखा जाए और प्रयास किए जाएं कि वह 1.5 डिग्री सेल्सियस तक ही सीमित रहे।

[1] 2016 में शुरू किया गया, ग्लोबल अलायंस फॉर ग्रीन एंड जेंडर एक्शन GAGGA मामा कैश और बोथ एन्ड्स के सहयोग से फॉन्डो सेंट्रोअमेरिकानो डे मुजेरेस के नेतृत्व में काम करता है। GAGGA दुनिया भर में महिलाओं के अधिकारों और जेन्डर, जलवायु और पर्यावरण न्याय आंदोलनों की सामूहिक शक्ति को बढ़ाने के लिए कार्यरत है।

[2] महिला और किशोरी पर्यावरण संरक्षक (डब्ल्यू.जी.ई.डी.) इन शब्दों के उपयोग में GAGGA महिलाओं, लड़कियों, और इंटरसेक्स, ट्रांस तथा गैर–द्विधुरी लोगों को शामिल करता है।

गंभीर चुनौतियां कायम हैं

अभी बहुत कुछ करना बाकी है। वैश्विक स्तर पर जलवायु संकट के मूल कारणों को संबोधित करने के लिए पर्याप्त काम नहीं किया जा रहा है। वर्ष 2021 में विश्व में जितना कार्बन उत्सर्जन हुआ, वह इतिहास में सबसे अधिक था। सरकारों ने अभी तक अपनी पेरिस समझौते की प्रतिबद्धताएं, जिसमें जलवायु वित्तपोषण शामिल है, पूरी नहीं की हैं। जीवाश्म ईंधन उद्योगों को अभी–भी भारी अनुदान दिया जा रहा है, और निजि कार्यक्षेत्र तथा अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय संस्थानों द्वारा निराधार जलवायु समाधानों को ही बढ़ावा और सहयोग दिया जा रहा है। कॉप26 को अब तक की सबसे अपवर्जनात्मक बैठक माना जा रहा है, जिसमें कोविड–19 की बाध्यताएं, वैक्सीन की अनुपलब्धता, किफ़ायती आवास की कमी, और कई अन्य बाधाएं मौजूद रहीं जिसके कारण वैश्विक दक्षिण क्षेत्र से भागीदारों की भागीदारी सीमित रही।

इस बीच, राष्ट्रीय और स्थानीय स्तरों पर, नागरिक समाज संस्थाएं, सामाजिक आंदोलन और समुदाय विभिन्न परस्पर जुड़े हुए सामाजिक–आर्थिक और पर्यावरणीय दबावों का सामना कर रहे थे – जिनके प्रभावों को महामारी ने और ज़्यादा बढ़ा दिया – जिनमें शामिल है गरीबी, नस्लीय और जेन्डर अबराबरी, राजनीतिक अस्थिरता और जलवायु–संबंधित आपदाएं। विश्व भर की महिलाएं और किशोरी पर्यावरण संरक्षक ढांचागत हिंसा का सामना कर रही हैं, जिसमें राजकीय हिंसा और कॉरपोरेट निष्कर्षणवाद शामिल है। आज के समय में GAGGA का काम पहले से भी ज़्यादा महत्वपूर्ण हो गया है।

वर्ष 2021 में GAGGA: प्रमुख आंकड़े

वर्ष 2021 में GAGGA ने पहली बार 'जलवायु कार्यवाही के लिए महिला नेतृत्व' कार्यक्रम शुरु किया, जो कि वर्ष 2016 से चल रहे हमारे काम के परिणामों और हमारे द्वारा स्थापित एक मज़बूत नेटवर्क की उपलब्धियों पर आधारित है। GAGGA ने अपने नेटवर्क सहभागियों को €4.4 मिलियन अनुदान दिया। GAGGA के सहभागियों में परिवर्तनकारी जेन्डर–न्यायपूर्ण जलवायु कार्यवाही का नेतृत्व कर रही विविध महिला–नेतृत्व की समुदाय आधारित संस्थाएं, महिला एवं पर्यावरणीय न्याय फंड, और गैर–सरकारी संस्थाएं शामिल हैं।

वर्ष 2021 में, GAGGA ने जिन्हें सहयोग दिया उनमें शामिल हैं:

358 समुदाय आधारित संस्थाएं | **28** गैर–सरकारी संस्थाएं | **24** फंड

GAGGA ने अपने नेटवर्क सहभागियों को **€4.4 मिलियन** अनुदान दिया।

क्षेत्रीय विस्तार
समुदाय आधारित संस्थाएं

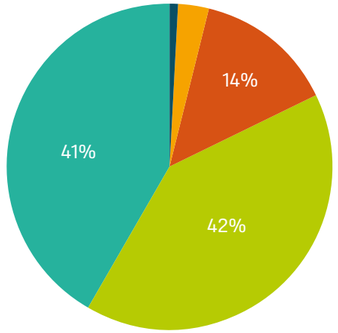

- अफ्रीका
- एशिया
- यूरोप – जोर्जिया
- लेटिन अमरीका
- पेसिफिक

क्षेत्रीय विस्तार
फंड और गैर–सरकारी संस्थाएं

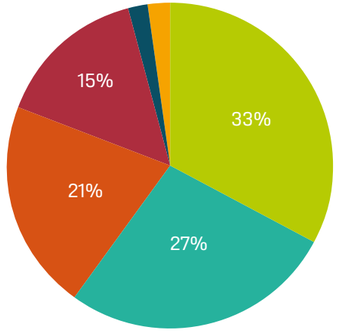

- अफ्रीका
- एशिया
- पेसिफिक
- लेटिन अमरीका
- यूरोप – जोर्जिया
- वैश्विक

समुदाय आधारित संस्थाओं
की प्रमुख पहचान

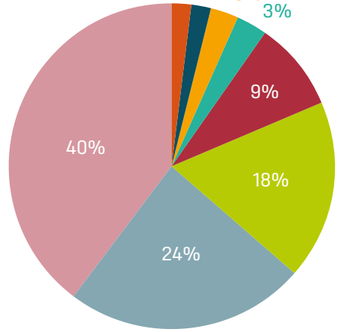

- एल.बी.टी.क्यू.आई+
- विकलांगता के साथ जी रहे लोग
- एफ्रो– वंशज
- मान्य नहीं
- युवा
- आदिवासी
- कृषक / ग्रामीण
- अन्य ;उप–शहरी और शहरी; पलायनरत; घरेलू कामगार

2021 बजट वितरण
फंड एवं गैर–सरकारी संस्थाएं

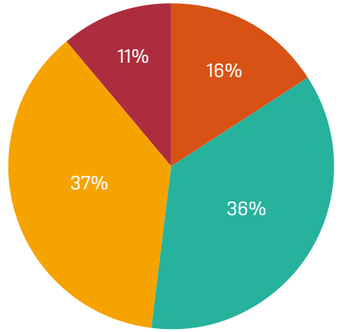

- आंतरिक सशक्तिकरण
- प्रत्यक्ष अनुदान
- समुदाय आधारित संस्थाओं का क्षमता–वर्धन
- बाहरी कार्यकर्ताओं को प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित करना

2021 के प्रमुख कार्य

मारसिया मुरा (फोटो में बाईं ओर) ब्राज़ील के मुरा आदिवासी संगठन की सदस्य हैं, जो कि क्षेत्रीय और राष्ट्रीय आदिवासी आंदोलनों में सामाजिक एवं पर्यावरणीय अधिकारों के संघर्ष में भाग लेता है।

स्थानीय महिलाओं के नेतृत्व, तन्यकता और जेन्डर–न्यायपूर्ण जलवायु कार्यवाही तथा समाधानों को सशक्त करना

GAGGA ने सामुदायिक संस्थाओं को जेन्डर–न्यायपूर्ण जलवायु कार्यवाही पर उनका काम सशक्त करने के लिए विभिन्न प्रकार का वित्तीय एवं गैर–वित्तीय सहयोग प्रदान किया। GAGGA के सहयोग से विमेन इन ऐक्शन अगेन्स्ट माइनिंग इन एशिया (वामा) ने कुशलताएं साझा करने का एक कार्यक्रम आयोजित किया जिसमें इंडोनेशिया, वेस्ट पपुआ, मंगोलिया, फिलिपीन्स, भारत और कम्बोडिया से महिलाएं शामिल रहीं। कोविड–19 के कारण, निष्कर्षण उद्योगों के पानी पर होने वाले प्रभावों के मुद्दे पर आयोजित यह कार्यक्रम ऑनलाइन स्तर पर तीन वर्चुअल स्पेसेज़ में आयोजित किया गया। वर्चुअल स्पेस में जल संरक्षण के विषय पर महिलाओं के स्थानीय ज्ञान, अनुभवों और पारंपरिक तरीकों को उभारा गया; खनन कार्यों के जल स्रोतों पर होने वाले प्रभावों की जांच करने के तरीकों का प्रशिक्षण दिया गया; और महिलाओं के जल के साथ रिश्ते को समझते हुए चर्चा की गई कि किस प्रकार जल को खतरा पहुंचाने वाली गतिविधियां महिलाओं के अधिकारों को खतरा पहुंचाती हैं।

युगांडा में, अफ्रीका इंस्टिट्यूट फॉर एनर्जी गवर्नेन्स (एफियेगो) ने वर्ष 2021 में महिलाओं, युवाओं और बुजुर्ग लोगों के साथ ऑफ–ग्रिड सौर ऊर्जा तथा उस तक पहुंच बढ़ाने की जानकारी देते हुए उनके सशक्तिकरण के लिए कई समुदाय–स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किए। महिला एवं युवा सौर क्लब स्थापित किए गए जिससे कि वे पैरवी के काम को और आगे बढ़ा सकें। इन क्लबों के माध्यम से, महिलाओं और युवाओं ने स्थानीय समुदायों के साथ ऑफ–ग्रिड सौर ऊर्जा का उपयोग करते हुए खाना पकाने व प्रकाश के लिए स्वच्छ ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा दिया गया। एफियेगो के सहयोग से, उन्होंने स्वच्छ ऊर्जा नीतियां विकसित और लागू करने की प्रक्रिया में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए पैरवी भी की, विशेषकर ऐसी नीतियां जो समुदाय स्तर पर अक्षय ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा देती हैं। द युगांडा ब्यूरो ऑफ स्टैटिस्टिक्स ने हाल में एक रिपोर्ट प्रकाशित की जिसमें बताया गया है कि सौर ऊर्जा के कनेक्शन 2017 में 18% से बढ़कर वर्ष 2020 में 39% हो गए। एफियेगो की अपेक्षा है कि सौर ऊर्जा क्लबों की महिलाओं और युवाओं के साथ मिलकर, अपने काम के माध्यम से वे इस संख्या को निरंतर बढ़ाने में सहयोग कर पाएंगे।

वर्ष 2021 में GAGGA पार्टनर फंड्स और गैर–सरकारी संस्थाओं ने जेन्डर–न्यायपूर्ण जलवायु समाधानों में भागीदारी करने, उनका नेतृत्व करने, दस्तावेज़ीकरण और/या उनको बढ़ावा देने की अपनी क्षमताओं को भी बढ़ाने का काम किया। फोन्डो एसियॉ सॉलिडेरिया, ए.सी. और फोन्डो सेमिलास के नेतृत्व में, और बोथ एन्ड्स तथा एफ.सी.ए.एम. के सहयोग से लेटिन अमरीका में पर्यावरणीय न्याय एवं महिला वित्तपोषकों ने एक संयुक्त संचार एवं पैरवी नीति तैयार की जिससे कि उनके जेन्डर तथा जलवायु न्याय के सामूहिक कार्यों को सशक्त किया जा सके। इस प्रक्रिया का संचालन और सहयोग ला सान्दिया डिजिटल, एक नारीवादी रणनीतिक संचार संस्था, ने किया और इसके परिणामस्वरूप जेन्डर और जलवायु न्याय पर संचार में शामिल सभी सहभागियों की प्रभावकारी संचार करने के तरीकों की जानकारी बढ़ी।

कलेक्टिवो कासा, जो कि बोलिविया में आदिवासी समुदायों के साथ काम करती है, ने ऑरूरो में खनन से प्रभावित महिला रक्षकों को पर्यावरणीय प्रशिक्षण दिया। उन्होंने समुदाय द्वारा संचालित अभियान 'मुजेरेस डेफेन्सोरास प्रोमोविएन्दो ला जस्टिशिया क्लाइमेटिका' (जलवायु न्याय को बढ़ावा देती महिला रक्षक) को मिलकर विकसित और लागू किया, जो कि बारिश के पानी को संजोने की प्रणालियों को बढ़ावा देता है। एकत्रित किए गए पानी को खाद्य उत्पादन के लिए उपयोग किया जाता है, जो समुदाय की खाद्य संप्रभुता और सुरक्षा में योगदान करता है। समुदायों ने टपक सिंचाई के लिए पैट बोतलों का पुनरुपयोग किया, पानी की टंकियों पर जागरुकता बढ़ाने वाले संदेश पेंट किए, और वे स्थानीय जल स्रोतों की सुरक्षा के लिए पुनर्वनीकरण सुनिश्चित करने के लिए काम कर रहे हैं।

जलवायु, पर्यावरणीय और महिला अधिकार आंदलनों में जुड़ाव बनाना

जुड़ाव बनाना GAGGA के काम का महत्वपूर्ण अंश है, क्योंकि इससे नेटवर्क के सहभागियों के बीच जानकारियां साझा करने और आपसी सीख की प्रक्रिया में योगदान मिलता है। GAGGA के नए कार्यक्रम के पहले वर्ष का आरंभ करने के लिए, GAGGA गठबंधन के सदस्यों ने सहभागियों के बीच जुड़ाव बनाने, सामूहिक समझ विकसित करने, नए कार्यक्रम की सामूहिक समझ विकसित करने और समूह की रुचियों, गति और संसाधनों को पहचानने और उन्हें सशक्त करने के उद्देश्य से तीन वर्चुअल सत्र आयोजित किए। इन सत्रों में GAGGA गठबंधन सदस्यों, रणनीतिक सहभागियों, सहभागी वित्तपोषकों, गैर–सरकारी संस्थाओं तथा सामुदायिक संगठनों के 80 से अधिक लोग शामिल हुए। जेन्डर–न्यायपूर्ण जलवायु समाधानों को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न आंदोलनों के बीच नई सहभागिता का विकास करना – और पहले से मौजूद सहभागिताओं को और मज़बूत करना – वर्ष 2021 में GAGGA सहभागियों का इस पर विशेष ज़ोर रहा। अफ्रीका में वोमिन ने अफ्रीका क्लाइमेट जस्टिस कलेक्टिव (ए.सी.जे.सी.) का निर्माण जारी रखा, जिसका उद्देश्य है जलवायु न्याय के लिए महिलाओं के संगठनीकरण और उनकी आवाज़ों पर ज़ोर देते हुए आंदोलन–निर्माण, और एकता के लिए सहयोग देना। मई माह में, ए.सी.जे.सी. ने कोट डि' इवॉयर में फ्रैंकोफोन क्लाइमेट जस्टिस गैदरिंग, अपनी पहली उप–क्षेत्रीय बैठक का आयोजन किया। उत्तर, पश्चिमी, और केन्द्रीय अफ्रीका के 14 देशों से लगभग 32 भागीदारों की मौजूदगी में, यह आयोजन इस पूरे क्षेत्र में जलवायु न्याय आंदोलन को गहराई देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम रहा, जिसमें भाषाओं, संस्कृतियों, जातीय समूहों और कार्यक्षेत्रों की विविधता को अपनाया गया।

जनवरी माह में, GAGGA के रणनीतिक सहभागियों में से एक, 350.org ने तीन–दिवसीय ग्लोबल जस्ट रिकवरी गेदरिंग का आयोजन किया जिसमें विश्व भर के हज़ारों जलवायु नेतृत्वकर्ता और कार्यकर्ता एकत्रित हुए। इस आयोजन में 196 सत्र आयोजित किए गए जिनका नौ भाषाओं में अनुवाद किया गया, और 33 देशों से 80 से अधिक पेनलिस्ट व कलाकार शामिल हुए। इस आयोजन के दौरान जेन्डर न्याय पर निरंतर ज़ोर बना रहा और 14 सत्र विशिष्ट रूप से नारीवादी नज़रिए के साथ आयोजित किए गए थे, जिसमें से दो सत्र GAGGA ने आयोजित किए : लोगों एवं प्रकृति के लिए तुल्यता, एकजुटता एवं सामूहिक देखभाल – न्यायपूर्ण बहाली के लिए जेन्डर न्यायपूर्ण–समुदाय–आधारित प्रणालियां एवं अभ्यास, तथा और अधिक जेन्डर एवं जलवायु न्यायपूर्ण दुनिया के लिए विभिन्न आंदोलनों के बीच सहयोगिता – GAGGA के अनुभव।

जेन्डर न्यायपूर्ण जलवायु समाधानों के लिए सरकारों, निवेषकों, और वित्तपोषकों को प्रभावित करना

वर्ष 2021 में GAGGA सदस्यों और सहभागियों ने सरकारों, निवेषकों और वित्तपोषकों को प्रभावित करने के लिए विभिन्न पैरवी और वकालत प्रयासों का नेतृत्व किया। लिलाक, फिलिपीन्स के सहयोग से, विभिन्न समुदायों की आदिवासी महिलाओं ने 2022 चुनावों में अपने एजेंडा को बढ़ावा देने के लिए कार्यदल बनाए, जिसमें जेन्डर और जलवायु न्याय के लिए आह्वान भी शामिल था। कार्यदलों ने अन्य आंदोलनों और नेटवर्कों के साथ अभियानों में भाग लिया जिसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना था कि उनके एजेंडा में आदिवासी महिलाओं की आवाज़ें भी शामिल की जाएं। अंत में, तीन महत्वपूर्ण राष्ट्रीय एजेंडा में आदिवासी महिलाओं के चुनावी एजेंडा को शामिल किया गया : द ग्रीन एजेंडा, जिसे पर्यावरणविदों और जलवायु न्याय कार्यकर्ताओं ने तैयार किया था; द विमेन्स एजेंडा, जिसे व्यापक महिला आंदोलन ने तैयार किया; और द इन्डिजिनस पीपल्स एजेंडा, जिसे विभिन्न राष्ट्रीय एवं क्षेत्रीय आदिवासी लोक समूहों ने तैयार किया था। सभी राष्ट्रीय एजेंडा 2022 में होने वाले चुनावों के लिए आयोजित किए जा रहे अभियानों का हिस्सा थे।

वर्ष 2017 से, GAGGA के लेटिन अमरीकी सहभागी अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस (8 मार्च) से विश्व जल दिवस (22 मार्च) के बीच वार्षिक #WeWomenAreWater campaign आयोजित करते आए हैं। वर्ष 2021 में, GAGGA और सहभागियों ने इस अभियान में अफ्रीका और एशिया के सहभागियों को शामिल करके इसे एक वैश्विक अभियान का रूप दिया। इसका उद्देश्य था कि सरकारों, निवेषकों और अंतर्राष्ट्रीय विकास बैंकों को जागरुक किया जाए कि किस प्रकार जीवश्म ईंधन निवेष/कार्यवाहियां समुदायों के लिए जलवायु परिवर्तन संबंधित पानी की कमी और जल–प्रदूषण पैदा कर रही हैं, और इसके साथ–साथ महिलाओं की जल रक्षकों के रूप में भूमिका और नेतृत्व को मान्यता दी जाए। इस अभियान में GAGGA की विभिन्न सहयोगी संस्थाओं ने एकजुट होकर महिला अधिकारों और जल के विषय पर एक मज़बूत पैरवी मंच खड़ा किया। लगभग 37 संस्थाओं ने ट्विटर, फेसबुक और इंस्टाग्राम पर चलाए जा रहे इस अभियान में भाग लिया, जिसमें बोलिविया, गुआटेमाला, होन्डूरास, भारत, इंडोनेशिया, मंगोलिया, नाइजीरिया, पेरु, और दक्षिण अफ्रीका से 19 कहानियां प्रदर्शित की गईं। GAGGA की वेबसाइट पर इस अभियान को लगभग 3,000 पेज व्यू मिले। GAGGA ट्विटर पेज पर 48.7 इम्प्रेशन मिले और अभियान के दौरान इसे 9,000 बार देखा गया।

अक्तूबर में GAGGA को एक महत्वपूर्ण परिणाम प्राप्त हुआ जब ए.बी.पी., द डच नेशनल सिविल पेंशन फंड ने कोयले, तेल और गैस उत्पादकों में उनके निवेश को वर्ष 2023 तक बेच देने की एक ठोस नीति की घोषणा की। यह निर्णय बोथ एन्ड्स द्वारा, ब्राज़ील, नाइजीरिया और युगांडा के सहभागियों के साथ, कई वर्षों से चलाए जा रहे अभियान के बाद आया, जिसके अंतर्गत उन्होंने प्रत्यक्ष रूप से ए.बी.पी. के साथ उनके निवेश और उनके कार्यक्षेत्र में मानव अधिकारों तथा पर्यावरणीय उल्लंघनों के बारे में बातचीत की। नाइजीरिया के सहभागी, केबेत्काचे, ओबेल कन्सर्न्ड सिटिज़न्स, और लोकियाका ने ए.बी.पी. और शैल नाइजीरिया के साथ विभिन्न मुद्दों पर विमर्श जारी रखा, जिसमें तेल प्रशासन, नियमित गैस फ्लेयरिंग, और शैल द्वारा प्रदूषित जल और खेतों की सफ़ाई से जुड़ी चर्चाओं और निर्णय–प्रक्रिया में महिलाओं की भागीदारी का मुद्दा भी शामिल था।

GAGGA द्वारा ग्रीन क्लाइमेट फंड (जी.सी.एफ.) के साथ यह सुनिश्चित करने के पैरवी प्रयास जारी हैं कि जी.सी.एफ. के अनुदान को जेन्डर न्यायपूर्ण तरीके से खर्च किया जाए और वह स्थानीय महिलाओं के नेतृत्व वाले समूहों तक पहुंचे। वर्ष 2021 में, तीन अनौपचारिक साझाकरण एवं सीख के सत्र आयोजित किए गए जिनमें 12 GAGGA सहभागी शामिल हुए, और वे राष्ट्रीय स्तर पर जी.सी.एफ/ जलवायु वित्त प्रक्रिया में शामिल हैं। इन सीख सत्रों ने अपनी सरकारों के साथ पैरवी करने वाली गैर–सरकारी संस्थाओं (स्थानीय एवं राष्ट्रीय) की क्षमताओं, ज्ञान और एकजुटता को बढ़ाया। इसके अतिरिक्त, बोथ एन्ड्स द्वारा जी.सी.एफ. बोर्ड के साथ विमर्श करना जारी है, जिसके अंतर्गत वे ऑनलाइन बोर्ड बैठकों में सक्रिय भागीदारी करते हैं और प्रस्तावित प्रमाणन तथा परियोजना प्रस्तावों पर संयुक्त टिप्पणियां विकसित करते हैं। बोथ एन्ड्स और पोर्टो रिको के सहभागियों इंटरनेशनल एनालॉग फोरेस्ट्री नेटवर्क (आई.ए.एफ.एन.), सेन्डेप कैमरून और प्रोयेक्टो आयुर्विदा ने जी.सी.एफ. सचिवालय को पारिस्थितिकीय तंत्र एवं कृषि से संबंधित उनके खंडीय दिशानिर्देशों पर फीडबैक दिया। कृषि–परिस्थितिकि को अब खंडीय दिशानिर्देशों के प्रारूप में शामिल एक उद्देश्य के रूप में मान्यता मिल गई है, जिसे 2022 में जी.सी.एफ. बोर्ड के सामने रखा जाएगा।

GAGGA ने अपने रणनीतिक सहयोगियों ग्लोबल ग्रीन ग्रांट्स फंड, प्रोस्पेरा और वीडो के साथ मिलकर महत्वपूर्ण जगहों में निर्णय–निर्धारकों को प्रभावित करने के लिए कार्यवाही का नेतृत्व किया। चार–अंशीय वर्चुअल श्रृंखला 'सस्टेनेबल सल्यूशन्स – सेन्टरिंग जेन्डर इक्वॉलिटि इन क्लाइमेट एक्शन' में विभिन्न सरकारी वित्तपोषकों और यूरोपीय निजि फाउंडेशनों के 30 से अधिक प्रतिनिधि साथ आए जहां महिला–नेतृत्व में जलवायु कार्यवाही को सहयोग और संसाधन उपलब्ध कराए जाने के महत्व पर चर्चा हुई, इस काम को पहले से सहयोग दे रहे वित्तपोषकों ने परिणामों और सीखों और प्रमुख अवसरों को साझा किया। फेमिनिस्ट एक्शन फॉर क्लाइमेट जस्टिस एक्शन कोअलिशन, जो कि जेनरेशन इक्वॉलिटि फोरम, GAGGA और ग्लोबल ग्रीन ग्रान्ट्स फंड के कार्यवाही के लिए बनाए गए छः गठबंधनों में से एक है, ने अगले पांच वर्षों में जलवायु न्याय हेतु नारीवादी कार्यवाही के लिए $100 मिलियन इकट्ठा करने के लिए एक प्रतिबद्धता अभियान शुरू किया। अभियान में शामिल है जलवायु कार्यवाही में ज़मीनी स्तर पर महिलाओं, लड़कियों, और ट्रांस, गैर–द्विधुरी तथा इंटरसेक्स लोगों के नेतृत्व वाली संस्थाओं को लचीला, बहु–वर्षीय सहयोग देने की प्रतिबद्धता करना। डच सरकार ने यह सुनिश्चित करने की सहमति दी कि उन्होंने GAGGA को 'जलवायु कार्यवाही के लिए महिला नेतृत्व' कार्यक्रम के लिए जो € 37 मिलियन उपलब्ध कराए वो इस अभियान का हिस्सा बनेंगे।

कॉप26 की तैयारी में GAGGA, ग्रीन ग्रान्ट्स फंड और वीडो ने 'जेन्डर न्यायपूर्ण जलवायु वित्तपोषण' के लिए आह्वान' की घोषणा की, जिसका लक्ष्य कॉप26 में भागीदारी और विमर्श में शामिल सरकारी प्रतिनिधि थे। केनेडा, नीदरलैंड्स, स्वीडन और युनाइटेड किंगडम सरकारों में हमारे संपर्कों के माध्यम से, और इक्वॉलिटि फंड के सहयोग से, हमने जेन्डर–न्यायपूर्ण जलवायु वित्तपोषण की पैरवी के लिए सरकारी प्रतिनिधियों के साथ द्विपक्षीय चर्चाएं आयोजित कीं। इन चर्चाओं के कारण इन सरकारों और प्रमुख सहयोगियों के साथ हमारा रिश्ता मज़बूत हुआ जो हमें हमारी पैरवी में सहयोग कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त, वीडो ने विमेन ऐंड जेन्डर कॉन्स्टिट्यूएन्सी के माध्यम से, नारीवादी अधिवक्ताओं की कॉप26 में भागीदारी करने की क्षमता बढ़ाने के लिए एक वर्चुअल प्रशिक्षण श्रृंखला आयोजित की।

समुदाय–आधारित महिलाओं और लड़कियों के नेतृत्व में चलाए जा रहे समूह, संगठन और संस्थाएं जो अपनी ज़मीन, क्षेत्रों और प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा कर रहे हैं वे ढांचागत हिंसा को कैसे परिभाषित करते हैं, और उसे रोकने तथा प्रतिक्रिया की क्या रणनीतियां अपनाते हैं, इसकी बेहतर समझ बनाने के लिए फोर्ड फाउंडेशन नेचुरल रिसोर्सेज़ एंड रिज़िलियन्ट विमेन इनिशिएटिव के अंश के रूप में, GAGGA ने एक मानचित्रण और विमर्श प्रक्रिया पूरी की। मानचित्रण के परिणामस्वरूप, वित्तपोषकों के लिए एक आंतरिक रिपोर्ट तथा प्रकाशन तैयार हुआ। इस रिपोर्ट के बाद, GAGGA को फोर्ड फाउंडेशन से तीन साल के लिए अतिरिक्त $1 मिलियन मिले जिससे कि वे ऐसी (युवा) महिलाओं, लड़कियों, और ट्रांस, इंटरसेक्स व गैर–द्विधुरी लोगों के नेतृत्व और सदस्यता की संस्थाओं को वित्तीय सहयोग दे सके, जिन्हें अपनी ज़मीन, क्षेत्रों और अपने पर्यावरण की सुरक्षा के महत्वपूर्ण काम के दौरान ढांचागत हिंसा का सामना करना पड़ता है।

सामूहिक एवं समावेशी काम के तरीके सुनिश्चित करना

शुरुआत से, GAGGA ने अंतर्खंडीय और आंदोलन–निर्माण दृष्टिकोण के साथ काम किया है, और सुनिश्चित किया है कि समुदाय–आधारित महिलाओं, लड़कियों, और ट्रांस, इंटरसेक्स व गैर–द्विधुरी लोगों – विशेषकर जो ऐतिहासिक रूप से बहिष्कृत जनसमूहों से आते हैं – के नेतृत्व वाली संस्थाओं के पास जलवायु संकट से निपटने के लिए अपने खुद के समाधानों को सशक्त करने के लिए संसाधन, क्षमताएं, ज्ञान और जुड़ाव उपलब्ध हों। GAGGA का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि उन्हें, उनके समुदायों और उनके पर्यावरण को प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित करने वाली निर्णय–प्रक्रियाओं में इन संस्थाओं की सक्रिय भागीदारी हो और इन प्रक्रियाओं में उनकी आवाज़ शामिल हो। इस लक्ष्य के लिए, 2021 के हमारे प्रयासों में, अन्य गतिविधियों के अतिरिक्त शामिल थाः

- सहयोगी समुदाय–आधारित संस्थाओं की स्थानीय, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तरों पर पैनलों, आयोजनों और बैठकों तथा प्रमुख निर्णय प्रक्रियाओं में भागीदारी के लिए आमंत्रण। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर, सहभागी फंड्स के साथ मिलकर, हमने आवश्यक कुशलताएं और संसाधन उपलब्ध कराए, जिसमें शामिल था इंटरनेट कनेक्शन, अनुवाद सहयोग और प्रभावकारी भागीदारी के लिए संयुक्त तैयारी करना।
- प्रकाशनों और संबद्ध दस्तावेज़ों के अनुवाद और सत्रों के दौरान कम–से–कम अंग्रेज़ी, स्पेनिश, फ्रेंच और पोर्चुगीज़ भाषाओं में अनुवाद उपलब्ध करवाना। जहां संभव हो, हम बहासा इंडोनेशिया, हिंदी, तागालोग, नेपाली, जोर्जियन, स्वाहिली और मन्गोलियन भाषाएं भी जोड़ते हैं।
- सुनिश्चित करना कि सामूहिक जगहों में अलग–अलग समय क्षेत्रों के भागीदारों के लिए उपयुक्त समय में आयोजन किए जाएं
- GAGGA के भागीदारीपूर्ण, समावेशी और नारीवादी सिद्धांतों को साझा करना, उदाहरण के लिए पर्यावरणीय और जलवायु कार्यवाही संबंधित महिलाओं, लड़कियों, और ट्रांस, इंटरसेक्स व गैर–द्विधुरी लोगों की आवाज़ों, मांगों और प्रस्तावों को केन्द्रित करना, और यह सुनिश्चित करना कि उनके परिवर्तनकारी काम को सहयोग देना महत्वपूर्ण है – इन मुद्दों पर अंग्रेज़ी, स्पेनिश और फ्रेंच भाषाओं में वीडियो।

GAGGA के नए कार्यक्रम और नए सहभागियों के जुड़ने के कारण, हमने अपने ढांचे की पुनः समीक्षा की जिसका उद्देश्य था हमारे काम करने के तरीकों और कार्यक्रम के अंतर्गत नई तथा उभरती ज़रूरतों को संबोधित करने की हमारी क्षमता को हम और मज़बूत बना पाएं। इस प्रक्रिया के परिणामस्वरूप, हमारी समन्वय इकाई और मज़बूत हुई, क्षेत्रीय–स्तर के समन्वय को सशक्त करने के लिए कदम लिए गए, और हमारे सामूहिक पैरवी के काम में लचीलापन सुनिश्चित करने के लिए एक अनौपचारिक कार्यकारी समूह ढांचा बना। इस संदर्भ में, कॉप26 ने हमें इस विचार को व्यवहारिक स्तर पर अपनाने का सुनहरा मौका दिया। बोथ एन्ड्स, एफ.सी.ए.एम., मामा कैश, ग्लोबल ग्रीन ग्रान्ट्स फंड, 350.org और वीडो ने सफलतापूर्वक:

- 'क्लाइमेट कार्यवाही में न्याय को केन्द्रित करना' ब्लॉग श्रृंखला की शुरुआत की, जो कॉप26 की दो सप्ताह की अवधि तक चली;
- कॉप26 में जेन्डर–न्यायपूर्ण जलवायु वित्तपोषण पर एक साइड ईवेंट आयोजित किया;
- जेन्डर–न्यायपूर्ण जलवायु वित्तपोषण के लिए कार्यवाही के आह्वान की घोषणा की गई, जिसे सरकारी संपर्कों के हमारे नेटवर्क के साथ साझा किया।

यह एक ठोस सहयोगात्मक प्रयास था जिसमें हमारी सामूहिक शक्ति का उपयोग हुआ और हमारे पैरवी के काम को आगे बढ़ाने के लिए एक मज़बूत नींव स्थापित हुई।

नीदरलैंड्स विदेश मंत्रालय के साथ सहकार्यता

GAGGA को नीदरलैंड्स विदेश मंत्रालय का रणनीतिक सहभागी बनने की बहुत खुशी है। वर्ष 2021 में मंत्रालय के साथ सहकार्यता की प्रमुख विशेषताएं रहीं:

- 'सतत समाधान – जलवायु कार्यवाही में जेन्डर समानता का केन्द्रीकरण' श्रृंखला, जिसका सह–प्रायोजन मंत्रालय ने किया और प्रमुख वक्ता के रूप में भाग लिया।
- सहभागियों के लिए ऐसी जगहें बनाना जहां उन्हें प्रत्यक्ष सुझाव दिए जा सकें और वे जी.सी.एफ. बोर्ड तथा इंटर–अमेरिकन विकास बोर्ड में शामिल डच प्रतिनिधियों से चर्चा कर सकें, और इस प्रक्रिया में ऐतिहासिक रूप से बहिष्कृत समुदायों के सीमित सम्मिलन, मानव अधिकार उल्लंघनों और पारदर्शिता की कमी जैसे अतिआवश्यक मुद्दों को सामने ला सकें।
- डच दूतावासों के साथ सहकार्यता में GAGGA के सहभागियों के कार्यक्षेत्र के विशिष्ट मामलों और संदर्भों के विषय पर जागरुकता बढ़ाना। उदाहरण के लिए, डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कॉन्गो में डच राजदूत के साथ मिलकर, हम इंगा 3 जलविद्युत परियोजना के प्रभावों के विषय पर GAGGA के सहभागियों के साथ एक बैठक का आयोजन कर पाए। इस बैठक के बाद, दूतावास और इंगा 3 जलविद्युत परियोजना के विरुद्ध पैरवी करने वाले समूहों ने अपना जुड़ाव जारी रखा।
- बोथ एन्ड्स और मामा कैश के मार्गदर्शन में जेन्डर, जलवायु और जैवविविधता के मुद्दों पर डच सरकार और संसद के साथ काम किया, जिसमें इंट्रिन्सिकली लिंक्डः जेन्डर इक्वॉलिटि, क्लाइमेट ऐंड बायोडायवर्सिटि प्रकाशन भी शामिल है, जिसके अंदर कॉप26 की तैयारी के लिए प्रमुख संस्तुतियां दी गई थीं।

निष्कर्ष

GAGGA के कार्यक्रम 'जलवायु कार्यवाही के लिए महिला नेतृत्व' के पहले वर्ष में, चुनौतिपूर्ण परिस्थितियों के बावजूद कई महत्वपूर्ण सफलताएं प्राप्त हुईं। हम महिला–नेतृत्व समुदाय–आधारित संस्थाओं के एक विविध समूह तक पहुंच और सहयोग दे पाए जो परिवर्तनकारी जेन्डर–न्यायपूर्ण जलवायु कार्यवाही का नेतृत्व कर रही हैं, और इसके अंतर्गत GAGGA कार्यक्रम में शामिल नए देशों, जैसे कि ब्राज़ील, मेक्सिको और दक्षिण अफ्रीका में भी काम हुआ। जलवायु न्याय पर सामूहिक सीख और पैरवी के माध्यम से हमारे सहभागियों के साथ हमारा रिश्ता मज़बूत हुआ, और हमने सरकारों, दानदाताओं और निवेषकों के प्रति और ज़्यादा लक्षित पैरवी का नेतृत्व और सहयोग किया। वर्ष 2022 में इस गति को बढ़ाते हुए काम करने और जेन्डर, पर्यावरणीय एवं जलवायु न्याय के लिए ज़रूरी परिवर्तनकारी प्रणालीगत बदलाव की दिशा में सामूहिक रूप से आगे बढ़ने के लिए हम उत्सुक हैं।

और अधिक जानकारी के लिए: www.gaggaalliance.org | कोलाज के चित्र: @Naandeyeah | प्रकाशन रूपरेखा: Christina Pfeifer | हिंदी अनुवाद: निधि अग्रवाल